Date — / — /

Saathi

विश्व में पेट्रोलियम के उत्पादन एक शक्ति के संसाधन पेट्रोलियम

खनिज तेल

खनिज तेल आधुनिकतम सभ्यता की रीढ़ है। चालक शक्ति के साथ रासायनिक पदार्थों के निर्माण में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। समुद्री वनस्पति तथा समुद्री जीव जन्तुओं के अवशिष्ट भाग से खनिज तेल बनता है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का मुख्य अंग बन गया इसका उपयोग मोटर गाड़ी ~~वायुयान~~ वायुयान इंजन कृषि औजार कृत्रिम रबड़ प्लास्टिक नाइलोन एवं टेरिलिन आदि इसका उपयोगिता कोयले से अधिक है।

विश्व मे खनिज तेल का भण्डार

वर्ल्ड आयल पत्रिका मे प्रकाशित विवरण के अनुसार विश्व मे कुल प्रमाणिक भण्डार 527 अरब बैरेल है। तीन दक्षिणी महाद्वीपों मे विश्व का 11% उत्पादन होता है। एशिया मे विश्व के कुल भण्डार का 65% और उत्तरी अमेरिका मे 14% खनिज तेल के भण्डार वाले प्रमुख देश कुवैत सऊदी अरब वेनेजुएला इराक तथा रूस है।

खनिज तेल के उत्पादक देश –

विश्व मे खनिज तेल के प्रमुख उत्पादक देश संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत रूस वेनजुएला सऊदी अरब लीबिया कुवैत ईरान इराक इण्डोनेशिया तथा नाइजीरिया है। कानाडा मैक्सिको दक्षिणी पूर्वी एशिया के देश बर्मा तथा भारत अन्य उत्पादक देश हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका – यह खनिज तेल का सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र है। इसका विस्तार है। ~~कुछ~~ प्रमुख तेल क्षेत्र निम्न प्रकार है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Page No.

Saathi

Date __/__/__

(1) मध्य महाद्वीपीय क्षेत्र — यह विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र है। इसका विस्तार कन्सास ओकलाहामा टेक्सास उत्तरी लूसियाना दक्षिणी अरकन्सास दक्षिणी मिसीसिपी तथा तथा अलबामा प्रान्तो मे है।

(2) कैलिफोर्निया क्षेत्र — यह दूसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र है यहाँ का भंडार भारी है और सभी प्रकार के मिलते हैं

(3) खाड़ी तट के क्षेत्र — इसमे बालू टीलो मे मिलता है। समुद्री भाग मे महाद्वीपीय ढाल तट तक खनिज तेल मिल रहा है।

(4) महान् झील क्षेत्र — इसमे इंडियाना ओहियो मिशिगन तथा इलिनाइस प्राप्त पड़ते है यहा तेल मे गन्धक की मात्रा अधिक है

(5) अप्लेशियन क्षेत्र — यहाँ उच्च कोटी की खनिज तेल मिलता है। इसलिए विश्व के सबसे अच्छे खनिज तेल को पेंसिलवानिया तेल की संज्ञा प्रदान की जाती है।

(6) राकी पर्वतीय क्षेत्र — यहा उत्पादन कम है। किन्तु भविष्य मे बड़े भण्डारो के मिलने की सम्भावना है।

वेनेजुएला — यह विश्व का पाँचवा बड़ा खनिज तेल उत्पादक देश है विश्व के निर्यात मे इसका प्रथम स्थान है। माराकैबो प्रदेश मे लागुनिल्लास टिआजुआना लासलीना बचाकीरो मोनोग्राण्डे मरी एवं तरीतेल क्षेत्र है यहा एक दर्जन शोधनशालाएँ है। माराकैबो एवं कैरापिटो मुख्य केन्द्र तथा प्लूतो मिराण्डा मुख्य पतन है।

Page No.

Saathi

Date / /

दक्षिण पश्चिम एशिया के खनिज तेल क्षेत्र

सऊदी अरब — भण्डार की दृष्टि से इस देश का स्थान विश्व मे द्वितीय है। इसके तेलक्षेत्र दम्माम अवक्वेक आइमेदार कातिफ घावार सफानिया तथा खुरसानिया है। घावार सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है। उत्पादन की दृष्टि से इस देश का स्थान संसार मे पाचवाँ है। रासतनूरा मे शोधनशाला है।

कुवैत — भण्डार की दृष्टि से इस देश का स्थान विश्व मे चौथा है। प्रमुख तेल क्षेत्र बुरगान मागवा अहमदी औघतैन वहराह साब्रिया तथा मिनागिश है। मीन जुल अहमदी मे शोधनशाला है। कुवैत पतन से तेल का निर्यात होता है।

ईरान — इस देश मे कैस्पियन तट पश्चिमी क्षेत्र तथा दक्षिणी पश्चिमी क्षेत्रों मे तेल मिलता है। उत्तरी पश्चिमी क्षेत्रो मे हफ्तेसाह एवं खानाकिन तेल क्षेत्र है। दक्षिणी पश्चिमी ईरान मे मास्जिदे सुलमान - नफ्तकेल अधाजरी लाली तथा नफ्ते साफेद तेल क्षेत्र है। अबादान तथा करमानशाह मे तेल शोधनशालाएँ है। आबादान स्थित की सबसे बड़ी तेल शोधनशाला है।

इराक → इस देश के मुख्य तेल क्षेत्र नफ्तखाना किरकुट जुबैर रुमैला तथा जम्पुर है। इसका निर्यात फारस की खाड़ी तक के पतन फाओ से होता है। खानकिन दौरा बसरा तथा कैमारा मे तेल शोधनशालाएँ है। दक्षिणी - पश्चिमी एशिया के खनिज तेल उत्पादक अन्य देश इजराईल (हैलेत्ज नियवा बुरगान रवावी तथा खफजी) बहरीन (बहरीन फोर्थ पे) कतार (दुखान) तथा व ड्रूशल नियवा है।

आचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

इस भाग मे प्लास्टिक कण्टेनर द्वारा खनिज तेल तथा टैंगर द्वारा गैस की ढुलाई विकसित हो रही है

इण्डोनेशिया – इस देश मे सुमात्रा कालीमन्तन तथा जावा द्वीपो मे खनिज तेल मिलता है सुमात्रा के तेल क्षेत्र अटजेह तटीय क्षेत्र तथा पुरवी तट पर जिम्बी एवं पालमबाग मे है कालीमन्तन के दक्षिणी तट पर बालकापापन तथा इसके निकट द्वीप टाकन मे खनिज तेल मिलता है।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार – खनिज तेल के प्रमुख निर्यातक दक्षिणी पश्चिमी एशिया के देश संयुक्त राज्य अमेरिका वेनेजुएला कोलम्बिया तथा इण्डोनेशिया है आयातकों मे संयुक्त राज्य अमेरिका ग्रेटब्रिटेन फ्रांस भारत, पाकिस्तान जपान तथा पश्चिम जर्मनी प्रमुख है

खनिज तेल का आर्थिक एवं राजनीतिक महत्व

खनिज तेल का आर्थिक एवं राजनीतिक महत्व बहुत अधिक बढ़ गया है यह शक्ति का प्रधान साधन है। इसमे विभिन्न प्रकार की औद्योगिक महत्व की वस्तुएँ तैयार हो रही है। इसी कारण विकसित देश खनिज तेल के भंण्डार को सुरक्षित रखना चाहते है इसी अधार पर संयुक्त राज्य अमेरिका तथा सोवियत रुस की विशेष रुचि दक्षिणी पश्चिमी एशिया की समस्याओ मे है। दक्षिणी पश्चिमी एशिया की आर्थिक स्थिति खनिज तेल है। वेनेजुएला की सारी सम्पत्ति खनिज तेल है। किन्तु राष्ट्रीय चेतना के जागृत हो जाने से ये देश राष्ट्रीय आय की वृद्धि के लिए विशेष जागरुक हो गये है। अपने प्रभाव वृद्धि के लिए होड़ लगी है। आजकल खनिज तेल ही विश्व की राजनीतिक के नियंत्रण का एक साधन बन गया है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखाँ, बलिया